

अथ त्वां पद्मजगर्भसमानं शयनमाप्तमिदं यथाहं नि ॥ ५२

॥ १२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ सावनकदू २६ दालि झनयागधरू ॥ हवका पुष्पन नाइ इ इ गनाग ॥

कृ कृ कृ पं ह व ऊ ण उ ऋ ऌ ऋ ऋ ॥ ५२ ॥ ह न न न व न्दि न च न व न

येनपनमरुवन॥ ७२ ॥ लावविमकूटविहास्यारुद्रकमुवा

३५। यावत् ॥ २॥ नमो गुरुहिवक्त्रा ॥ २॥ कुरु ॥ २॥ आविधियावत् ॥ २॥

अथवा

386

I

॥ १४ ॥ ॐ ॥ एनागरेलविशागालइऊमाता ॥ गऊजिनडईहा
धनिया कमलकृतिडाऊंगवात्रा २ उमनूकनगिक्थानचिह्लवामरब
त्वागकरे ॥ कुर ॥ शोसम्भनायवाहुगिहुफ्राऊन्नुनात्रनेमानयिन
वापियायिनमायासरुधुरुअतत्वनलीना ॥ कुर ॥ पाणवक्रमूलुद्धा
दडाहाथ धनियाउन्ननिनमाला २ विह्वकलिडाऊद्धवल्यइटाइ
तवाद्यवर्मषेरूमडा ॥ कुर ॥ अलिठपर्यारुवाययिनह्वनका

लिनादिदिनमूडाशनीलहीगत्राहिकनकामयवडमुखअग्निवी
कलातून॥ ५२ ॥ हृदिस्वीनवीनध्वननायकतिनिवकमहाविनाश
करुणारुदनाहिकनकामयवडमुखअग्निविकनान॥ ५३ ॥
॥ १५ ॥ ६०३ ॥ रागागुणी ॥ गावमा० ॥ मदनिऊलअग्निवा
यमबुलडयसिंहशीसुभनूरनानानलमयहृतिगडकृगं गऊसह
हासुभनूनमामिरशीगुनवऊसत्व॥ १ ॥ अन्नगगुननिधिसागवा

श्रीकृष्णाय नमः

विष्णुनाथविष्णुवापितगुप्ता ॥ शिखुवनसंयुक्तिगा ॥ ५२ ॥ अकाशवर्ध
मुखनयनसुविष्मलवकुर्ध ० धारिगा २ गिलकसद्वर्धुसुखला ॥ नले
मकुटधिन कलुलससिखिवल ॥ सत्वपर्या कर्मसिगा ॥ वलुनद्विय
दिगऊनत्वादि नले मलुलसंयुक्ता ॥ ५३ ॥ इदियमादिगमवयि
वित्वासवऊ ॥ श्रीगुननिन गुननिल निद्विसिद्धिवनयदागा सम
जिनल्लनरुवयदागा ॥ ७ ॥ १३ ॥ ५४ ॥
१ नागनामकसि ॥ ठानकमाथा ॥ कमलविकाशितसि तिदवासन

कमूदपागनदुसमदला ॥ २ ॥ वलुनवदनकुवनयदलममनन
यकाशित ॥ नमामिशी २ महासैशुधीसकनगुटनायसनगुन २
कूमतिदहनल्लनमाकूपदागा ॥ सच्चल्लनसागना ॥ ५५ ॥
यथमकनद्वयकालिगवऊर्धुममूदा ॥ जालिगनविनाडिगा २
द्विगीयवृक्षधनरुगीयल्लनस्कंध ॥ वलुथरुवृक्ष सर्वल्लनधावा ॥
॥ ५६ ॥ इत्युक्तपादगुवन ॥ वलुथवामधुनयस्कका २
नकनमकुटधिनयकालिगा ॥ कालिगकिसि यधुसुमाधुव

मालाकाश्या॥

वृषिकरा॥ कुर॥ निद्विदिवृद्धिदायिनिषिष्टरुमिता सर्वहूला
ननिषिरुवयदागाश्रजेद्रसंवेगसनवाशीलगतापत्रमाद्यवऊ
कर्मणि॥ कुर॥ ७१॥ १०॥ हनागलीता॥ काल्यादिव्यस्ति
न अक्षायडिलभोलिन सिद्धिकालीउल्लिखितियुवनै यच्चले
वादलहलिगङ्गाकालाअम्भनागरुनवाकुषून्वर्ण अस्तरु
यरुनध सूनइष्टमऊन मालवलमदनपापदरीन॥ कुर॥

द दिन कजागिधन, पुवतुयनायल, वनलुङ्कयनम विसृगगिगमनी॥
 वामस्वद्वांगधन, वृष्णकपात्रा, रुवसमूद्र (भाषणमनुपाणी॥ क्र॥
 धालकृन्दलूविल, अस्कगहा (लविन्दुदक्षकलात्ववदनी॥ क्र॥
 व्याध्ववर्मनिव्यसननननरुद्रमाला, अलिवलियादकिसिद्धिसर
 ला॥ क्र॥ गवर्कसनगवजगुनगत्वय्यायिनदृष्टरावनासन
 सिसानरुद्रमौना॥ क्र॥ वृद्धवर्मसासन, सैद्यपत्रिलकृत्, छिम

शिवसूत्र॥

हाकानकवयादसवदा॥ कुर ॥ ७७ ॥ १८ ॥ रागजलवदू
॥ गानअकनमा०॥ द्वि शुद्धि सरवकिनीनयनाश्मयूठकडादिग
म्वना॥ कुर ॥ तेनाकाननागाननागा॥ वामकवाठकदहिनकनतिरुहा
आरुवराविरुषीगा॥ कुर ॥ सूर्यमदुल्लमायगाधुवमूर्तिरनवसि
मारस॥ हिका॥ कुर ॥ सतमुन्नवराधिरगतध्रियोश्चकवावादि
आलिङ्गिका॥ कुर ॥ ७७ ॥ रागमालव॥ गानमा०॥ वज्रिधाराव

रागजलवदू

शिवसूत्र॥

आलिना॥ सिधिनीयाधिनीऊम्वकडलाकिनी॥ कुर ॥ नमामिष्टीया
भम्वनरुनध्वनी॥ निनिरुदवाधिमुवनयविस॥ कुर ॥ पूरवडल
नयद्धिमदकिरादिगदवी॥ अकिनीदि किनाचडसिकम्बाकिनी॥ कुर ॥
वगुनदिगलुक्कलनठदवी॥ निनिनिनिदवानाचयैनुदवी॥ कुर ॥
हविरुनवक्का॥ नुअस्रनगनयादयागिनीसमनसराव॥ कुर ॥
॥ ७७ ॥ २० ॥ रागरेनवी॥ गानवय॥ पेश्रगधगगमलियाव

स्यात्तान् विस्तृत्य न्याय २ दृष्टादिगदशावलनं रुतवन्तं दानपक्रियवि
 द्युनिवात्रन्याया ॥ **ॐ** ॥ **ॐ** वानवीन ध्वन वेयिध्वन मनसमान
 विष्णुस्तान्या २ नुक्क कानवलिदानवा दानपक्रियं रुतवन्तान्या
 या ॥ **ॐ** ॥ पर्ववेनावनदक्षिनवत्तसक्तं पक्षिमज्जमिगारुष्यापि
 यान् रुतवन्तं माघसिद्धिमायं ज्ञेयं चानिमानवडवापियान
 ॥ **ॐ** ॥ समाधिशीतमन्त्रमायं कालं रुतवन्तं कायविष्णुस्तान्या २

नानावाधिसत्त्वज्जाधीर्वाद दानपक्रियविद्युनिवात्रन्याया ॥ **ॐ** ॥
 सिरुनादवाजियान् दमन्त्रवाजं ज्ञेयं यागिनीमन्त्री दिष्टियान् २
 जालिध्वनीयगाकर्तव्यागभवयीयात्वा निवृत्त्यपियान् ॥ **ॐ** ॥
 ॥ **ॐ** ॥ २१ ॥ रागकङ्कन ॥ गान् रुतमान् ॥ अग्निध्वानवदन
 ज्ञेयं गान् रुतमान् ॥ रुतवन्तं रुतवन्तं रुतवन्तं रुतवन्तं ॥ **ॐ** ॥ गेनागाकनागा २
 नमामिष्टीखपुमरुकाला ॥ **ॐ** ॥ दहिनकनगिखपुमरुष्टीला २
 खपनमृदुमालयाधुवमरुमिगा ॥ **ॐ** ॥ सकलमानववलदय

मरुकाफात्रया ॥

निरुक्ताः सवननवन्दिगरुवरुयहवत्स॥ ५२ ॥ आद्विसिद्धिवलदा
 यकदवारिगुवनवीनाडीमहाकावडावत्स॥ ५३ ॥ ६०३ ॥
 ॥ २२ ॥ ॥ नागमानव॥ गाल॥ महुलसमयचक्रमहुलसंभुर्गु
 द्वादशुजवडवानुवयन॥ जानकुकरुडीसम्भनयागीनी२गीयाव
 कुनादवीगानुदीया॥ - ॥ दाकिनीनामाखलुवाहानुधिनी२वानि
 मानवडवानुवयन॥ ५४ ॥ कायवाक्किरुणिनिगुवन२दानपति
 यागुरुज्वगानुनया॥ ५५ ॥ यागयागिनीमनीसमनसराव

अयुग्ममानुडीरुनव॥ ६०३ ॥ २३ ॥ ॥ नागवनाडि॥ गानमा० ॥
 वामेषपनधनदहिनकलर्गि२ पायननायनमहुमालरुधिना॥ ५६ ॥
 नावयिनकऊडीवऊयागिनी२ निनिनगुदवीगुवनयिस॥ ५७ ॥
 कलसुश्चनदवीनिनऊनदवी२गुन्यपाउदवीगुन्यसीराव॥ ५८ ॥
 कालमृग्यइयिपडानवन्धिया२ नागधषमाहाकरनिनकुद॥ ५९ ॥
 ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
 ॥ ६०३ ॥ २४ ॥ ॥ गानश्रीगमा० ॥ ६०३ ॥ २४ ॥ ॥ गानश्रीगमा० ॥ ६०३ ॥ २४ ॥

मधुकनरुन्वनी ॥ २ ॥ शीवित्रया कनखगमखदवी मखनपावसखा
 पिगा ॥ ५ ॥ नमामिनेनात्माहिउवनमागा वक्तुनादवीशी मग
 रुनि २ सयनसुनवदिगवनने अनगमाद्विहिद्विलयदागा ॥ ५ ॥
 नन्दनवनमिचयत्यनगनूव अनगकसुमयालिआगवन २ नित्य
 ममसमवागमतिगीन अनगकीथसेनिर्मला ॥ ५ ॥ अखर
 लव अखयागीनीदवी अनगदवासेनरुणरुणपाल २ अखम
 रुयइनिगतिवात्रदी अनगविग्रनिवात्रदी ॥ ५ ॥ विष्टव्या

श्रीकृष्ण

पिगा ॥ १ ॥ दवी अखयनिनअनआमिमय २ अहिमगसखरुल
 दायनी कुलमऊनमहुसुसवधमगत ॥ ५ ॥ २१ ॥ २०३ ॥
 त्वागनाठ ॥ गानइऊमान ॥ वानिचवरावापायिवडमाना २ अर्थिवय
 नमुखनिनयन ॥ नावयिरुन्वनेनात्मादवीसहिगा २ अखयागीनी
 नेयाकनमाग ॥ ५ ॥ ॥ दधुवलगाषाठशरुऊरुलन २ आद्यवन
 मधवापिगलकं ॥ ५ ॥ ॥ वकीकूलकणिवावकमधवा २ विह
 ति विवावन ॥ ५ ॥ ॥ आलकगा ॥ ५ ॥ ॥ गठवमनसरुऊअनन्य

क. त्वयुगिभिर्गणयन्तु यः नरुगाग्निगणयन्तु आचम
नकसन्नयायसिमावाह. भंक्रुहं रुह. ॥ थ. नचसिवाक
नगिभिर्गणयन्तु गन्ध. ॥ दुकलकलैत्याह. स्वाह. ॥ थनयन.
नगुहालिगाग्निम. ॥ थ. यकाभं यनय. गदय. विज्ञागोमिम
न. नैकाभारुव. योतव. मकमुख. वकुमु. नैवामदन्दकमधुनय.
न. सत्तिल. दाहमावा. न. शीतावलाहलन. यद्वायवीयमि

श्रीगणेशाय नमः

386

I

[illegible]

यावमनीयगोक्तस्वाहा ॥ ॥ श्रीखलेखनहाय ॥ ॐ वं ऊं जी खं हूं ॥
 पंचगव्यनहाय ॥ ॐ वज्रं ऊं ॥ पंचामृतनहाय ॥ ॥ पंचापरुष
 यूजात्ताम्रयष्टुवादनमुनिप्रथमः ॥ ॥ धनं कृय ॥ आयन ॥
 ॐ श्रीवक्रसत्त्वः ॥ ॐ श्रीः स्वाहा ॥ समष्टिः ॥ धनं ॥ ॐ श्रीः ॥
 स्वाहा ॥ वृष्टिः ॥ धनं ॥ स्वस्वमर्तुन ॥ ऊं ऊं मानकस्ववक ॥ यमिर्विव
 समाधमा ॥ आच्छाद्युद्धाहस्वविला ॥ अग्रहि ॥ अग्रहिला ॥ पाच ॥ रुद्रक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ समूहं वा ॥ ॥ गंगा इति मुखं नैका नारायणं यव रुतयु मावी शुक्लवर्णं
विलास्य ॥ ॐ अग्नय स्वाहा ॥ घृण ॥ ॐ अयनि रुतयु मावी स्वाहा ॥ ॥
कृष्ण ॥ ॐ अर्क काय स्वाहा ॥ अर्क सि ॥ ॐ वज्र सामाय स्वाहा ॥ यत्ना
रु सि ॥ ॥ ॐ वज्र गमनाय स्वाहा ॥ खय न सि ॥ ॐ वज्र वृद्धाय स्वाहा ॥
अयामाग्न सि ॥ ॐ वज्र कूवनाय स्वाहा ॥ वृत्ति सि ॥ ॐ वज्र यज्ञाय स्वा
हा ॥ ईवील सि ॥ ॐ वज्र हानी ष्वनाय स्वाहा ॥ समीकं थ सि ॥ ॐ वा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

धिवृक्काय स्वाहा ॥ वृत्ति गग सि ॥ ॐ वज्र लकाय स्वाहा ॥ पिलाय सि ॥
ॐ वज्र वीक्षाय स्वाहा ॥ वृत्ति गग सि ॥ ॐ मधुन स्वाहा ॥ मधुन सि ॥ ॐ
अश्वकाय स्वाहा ॥ अश्वय सि ॥ ॐ सर्वपाप समनाय स्वाहा ॥ वैकं थ सि
॥ ॐ वज्र सरुकाय स्वाहा ॥ अय सि ॥ ॐ सर्वदुःख पाप समनाय स्वाहा
॥ कंद वर सि ॥ ॐ सर्वदुःख समाय काना स्वाहा ॥ गह्वर सि ॥ ॥
ॐ अयनि रुतयु मावी स्वाहा ॥ कृष्ण ॥ ॐ वज्र पूर्य स्वाहा ॥ दारुल

विद्विद्वि

॥ ॐ सर्वपापदहनवजाय स्वाहा ॥ हामल ॥
ॐ वजाय स्वाहा ॥ अरुंग ॥ ॐ वज्रवग्मनाय स्वाहा ॥ गङ्गा ॥
ॐ वज्रघस्मनाय स्वाहा ॥ माथङ्गा ॥ ॐ वीजारुवाय स्वाहा ॥ स्वानवा ॥
ॐ विजारुवाय स्वाहा ॥ यूवा ॥ ॐ वज्रनहावलाय स्वाहा ॥ मास ॥ ॐ म
हाकावाय स्वाहा ॥ न्वाग ॥ ॐ वज्रकलालव स्वाहा ॥ कलमुनि ॥
ॐ वज्रकुमावाय स्वाहा ॥ कालथ ॥ ॐ वज्रमृगय स्वाहा ॥ मृग ॥

सिद्धिनाथ

ॐ सर्वपापदहनवजाय स्वाहा ॥ रुगियरुगि ॥ ॐ वज्रलाजाय स्वाहा ॥ ग
य ॥ ॐ सर्वपापदहनवजाय स्वाहा ॥ नकायका ॥ ॐ सर्वपापदहनवजाय स्वाहा ॥ दा
जाय निजा ॥ ॐ वज्रयियरुमाय स्वाहा ॥ पियरु कुसुम ॥
ॐ श्रीवजादधिरुमाय स्वाहा ॥ कलस्य ॥ अनर्वाणिगत्वनरुग
वा ॥ ॐ श्रीरु स्वाहा ॥ थन अग्निशिमानविय ॥ ॐ वज्रसत्वे श्री
द्याटय ॥ ॐ धनय द्वां रुद्रशीवज्रसत्वे श्री ॥ ॥ पवापहानयूजा

॥ इति ॥ पञ्चमः ॥

॥ इति ॥ मन्त्रः ॥ ॥ धनस्त्वस्ति वाकन आद्रुगिविय ॥ इति ॥ अग्नय
आदीपविषाविषयहा ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
न ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
इति ॥ ॥ धनस्त्वस्ति वाकन आद्रुगिविय ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
गगावद्रुनाचमनादिकं कृत्वा ॥ लाकारुनेहानाग्निविहाय ॥ काला
काला ॥ ग्रीयद्रुदिकं मलवन्दासनापनिमलुलाधियुगिवाकनिय

त्र विद्रुविद्रुपनिगमन मलुलाधियुगिसमादुलयविहाय ॥
हानसत्वेववर्काद्रुनादि आद्रुखापवर्धय वक्षः सकाषाद्रुलनी
लेमिवसमयसत्यन सहरीकृत्वा ॥ पाद्याचमनादिकं कृत्वा ॥
पृथन्यास ॥ पृथवापहानयूजा नास्याध्वसुवादनमृति ॥
गगावद्रुनाचमनादिकं कृत्वा ॥ लाकारुनेहानाग्निविहाय ॥ गत्सर्वद्रुवादि
मूलमलुलाश्रुया ॥ ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥
॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥ इति ॥

किन्नाथिय ॥ पंचापहानयूजा ॥ ॥ ॐ गिरुनाइति
लुकुलासर्वसत्त्ववसंकलि ॐ देवलिष्ट ॥ २ ॥ यष्यययदि
प पंचाकृते ददाम्यहं सर्वदेवनागउरु गंधर्वा स्वगणउ कित्तल
महालग्नादि ऊथेवयथेष्टुमुऊथ पितृथजिगथ ममसर्ववसिधि
यय ॐ आ ॥ हं रुसाहा ॥ ॐ निकाधवल्लि ॥ रुना ॥ ॐ ॐ ॐ
थनमात्माइतिरुना ॥ आगमनियूजायाय ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ

सिन्धुयूजानि ॥ थनदिगवल्लि कारवल्लिविय ॥ थनपंचधनाइ
ययनि थायनयाय स्वगिकसस्वानि ॥ ॐ खलेखनहाय ॥ आयम
ननकुवक ॥ सिन्धुभाहनि ककायाव आगनगस्य कमाकलुन
गुनूपरुगिनतिवक ॥ पंचधनाइयाय ॥ आयननादाय ॥ आय
कवालनाव नृगवगवागस्य आइतिविय ॥ पंचापहानयूजा ॥ ॥
थनआकृवल्लिक निहायनवाधनेक ॥ ॐ ययनिष्ठायाय ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

धनं हविलिविय ॥ धनयूषं ॥ सिनकागयाब हाम निहययक
यूनयाकरीयगिच्छाह ॥ धीखल्लेखनहाय ॥ ॐ नमो भगवते
रुल्लेख ॥ ॐ नमो ॥ ॐ गगनविलाकिर्गह ॥ ॐ नमो भगवते
यदानपकड उमानस्ययुक्कुरखाह ॥ वित्थाह लनलीकपाल ॥
ॐ वसेकनायखाह ॥ कुरम ॥ ॐ नत्ताकालायखाह ॥
सगयूष ॥ ॐ वडवियखाह ॥ समग ॥ ॐ सच्चैकलिय

हा ॥ नागकठन ॥ ॐ वडमदकखाह ॥ ॐ नमो ॥ ॐ हनरद
रुदखाह ॥ सिध्नाह ॥ ॐ कुरसर्वकार्यसिद्धिखाह ॥ कमलि
ॐ सच्चैथपदयखाह ॥ कुरम ॥ ॐ नमो भगवते सर्वव्यानायखाह ॥
कयूव ॥ ॐ वसिरुवसिकुरखाह ॥ नकवन्दन ॥ ॐ नमो भगवते
खाह ॥ ॐ नमो ॥ ॐ मनयसर्वजालयखाह ॥ गुं गुं नी ॥ ॐ सर्वसम्य
गयदुखाह ॥ ॐ गुनिशि ॥ ॐ कनिधसर्वसिद्धिकुरजाखाह ॥

कादरामल ॥ उं अय अय हूं स्वाहा ॥ सीखलु ॥ उं हल नय दसाय स्वा
हा ॥ हेमलव कन ॥ उं सर्ववनापदसाय स्वाहा ॥ नसाकव कन ॥ उं
वजाय यय स्वाहा ॥ इव कुरुल ॥ उं सर्वलोमं य समनां य स्वाहा ॥
वाद्यदका ॥ ॥ उं सर्वपकनन स्वाहा ॥ पक्कवान ॥ उं आ ॥ वजा
मृत्वाय स्वाहा ॥ ग्वय मे ग्वाल ॥ उं सय यय सकूल वल कलनीय
युधि कर स्वाहा ॥ यद्र उरुल ॥ उं वजावास स स्वाहा ॥ ऊऊम ॥ ॥

16

उं धर्म धर्म नाऊदर सर्वविघ्नान् यज्मानि कुरु स्वाहा ॥ वन्दन गुदि ॥
उं वजाय य हूं स्वाहा ॥ धूनि ॥ उं आ ॥ वजा लोकि को स्वाहा ॥ हिया यिना
ऊऊकैय सुसकहन ॥ गव्वा रामल आऊ ॥ ३३ ॥ मूलमनुम ध
लदान ॥ हाय ॥ गप्यन ॥ स्वकीवा कन आऊनि ॥ अग्नय आदिया
दिपा विषा विषमहा ॥ हाय रुय कय वाहनाय ॥ अमूक स्य पून य २
पूष्म रुनि ॥ सर्वज्मानि कुरु ययि कुरु हूं रुद स्वाहा ॥ पूष्म विगावि